झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

सभी चिकित्सक तथा कर्मचारी बायोमेट्रीक्स में उपस्थिति बनाना सुनिश्चित् करें :– के0 विद्यासागर

रांची, दिनांक : 02/9/2015 को आई0 पी0 एच0 नामकुम के सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड तथा स्वास्थ्य विभाग झारखंड सरकार के कार्यक्रमों की समीक्षा के0 विद्यासागर, प्रधान सचिव स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई। इसमे मुख्य रूप से चिकित्सको की उपस्थिति, दवा की उपलब्धता, स्वच्छता तथा साफ सफाई, सहिया प्रोत्साहन राशि का भुगतान, डिलेभरी प्वाईन्ट में 24X7 सुविधा, जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि की समीक्षा की गई।

प्रधान सचिव ने चिकित्सको की उपस्थिति की समिक्षा करते हुए कहा कि सभी चिकित्सक तथा कर्मचारी बायोमेट्रीक्स में उपस्थिति बनाना सुनिश्चित् करें साथ ही उपस्थिति दोनो समय सुबह तथा शाम में बनाये। जो भी चिकित्सक एवं कर्मचारी बायोमेट्रिक्स उपस्थिति दर्ज नहीं करेगें उनका वेतन रोक दिया जायेगा, जिलो में बायोमेट्रिक्स में उपस्थिति दर्ज कराने की जिम्मेवारी सिविल सर्जन की होगी। उन्होने कहा कि सभी चिकित्सक समय से अस्पताल पहुचे तथा 24X7 सेवा सुनिश्चित करें। मरीजों को गुणवतापूर्ण सेवा मिलेगी तो उनका सरकारी अस्पतालो के प्रति विश्वास और बढेगा।

दवा की उपलब्ध की समीक्षा करते हुए उन्होने कहा कि दवा के लिए सभी जिलो को पर्याप्त राशि दी गई है इसके उपरान्त भी यदि जिलो के अस्पतालों में दवा की कमी होती है या दवा के आभाव में कोई मरीज लौटता है तो इसके लिए सिविल सर्जन को दोषी माना जायेगा, सभी आवश्यक दवाएँ तो अस्पतालो में हर हाल में उपलब्ध रहना ही चाहिऐ।

स्वच्छता तथा साफ–सफाई की समीक्षा करते हुए उन्होने कहा कि साफ–सफाई तो स्वस्थ जीवन का आधार है,हमें अस्पतालों को साफ सुथरा रखने तथा लोगो को स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है।

आशीष सिंहमार, अनियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड ने बैठक को संम्बोधित करते हुए कहा कि एन0 एच0 एम0 में चल रहे कार्यक्रमो को सिविल सर्जन अपने स्तर से समीक्षा करें, जो लोग काम के प्रति लापरवाही दिखा रेहे है उस पर उचित कारवाई करे। उन्होने वित्तीय वर्ष 2015–16 के कार्यो को ससमय करने के लिए प्लान बनाकर उस पर कार्य करने का निर्देश दिया।

डा0 सुमन्त मिश्रा निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएँ ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिलो द्वारा दवा असानी से खरीदा जा सके इसके लिए ड्रग पोलिसी को संशोधित किया गया है ताकि जिला स्तर पर दवा की कमी ना हो। उन्होने कहा कि जेनरीक दवा खरीदने पर 16 गुणा अधिक दवा खरीदा जा सकता है क्योकि जेनरीक दवाओं का मुल्य बहुत कम होता है। असाध्य रोगो से ग्रसित गरीबो को चिकित्सा अनुदान राशि समय से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सभी निदेशक, उपनिदेशक, अपर निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मी, राँची, गुमला, खुँटी, लोहरदगा एवं सिमडेगा के सिविल सर्जन, एस0ई0एम0ओ0, डी0एम0ओ0 सभी प्रखंडो के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, डी0पी0एम0, बी0पी0एम0, डी0ए0एम0, बी0ए0एम0 आदि उपस्थित थें।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग